Govardhanadhara Ashtakam

गोवर्धनधराष्टकम्

Document Information

Text title : Govardhanadhara Ashtakam 4

File name : govardhanadharAShTakam4.itx

Category : vishhnu, krishna, aShTaka

Location : doc_vishhnu

Proofread by : Vani V.

Latest update : July 22, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 23, 2023

sanskritdocuments.org

गोवर्धनधराष्टकम्

गोपनारी मुखांभोजभास्करं वेणुवाद्यकम् ।
राधिकारसभोक्तारं गोवर्धनधरं भजे ॥ १॥

आभीरनगरीप्राणप्रियं सत्यपराक्रमम् ।
स्वभृत्यभयभेत्तारं गोवर्धनधरं भजे ॥ २॥

व्रजस्त्री विप्रयोगाग्नि निवारिकमहर्निशम् ।
महामरकतश्यामं गोवर्धनधरं भजे ॥ ३॥

नवकञ्जनिभाक्षं च गोपीजनमनोहरम् ।
वनमालाधरं शश्वद्गोवर्धनधरं भजे ॥ ४॥

भक्तवाञ्छाकल्पवृक्षं नवनीतपयोमुखम् ।
यशोदामातृसानन्दं गोवर्धनधरं भजे ॥ ५॥

अनन्यकृतहृद्भावपूरकं पीतवसनम् ।
रासमन्डलमध्यस्थं गोवर्धनधरं भजे ॥ ६॥

ध्वजवज्रादिसच्चिह्न राजच्चरणपङ्कजम् ।
शृङ्गाररसमर्मज्ञं गोवर्धनधरं भजे ॥ ७॥

पुरुहूतमहावृष्टिर्नाशकं गोगणावृतम् ।
भक्तनेत्रचकोरेन्दुं गोवर्धनधरं भजे ॥ ८॥

गोवर्धनधराष्टकमिदं यः प्रपठेत्सुधीः ।
सर्वदानन्यभावेन सकृष्णो रतिमाप्नुयात् ॥ ९॥

रचितं भक्तिलाभाय धारकानां सनातम् ।
मुक्तिदं सर्वजन्तूनां गोवर्धनधराष्टकम् ॥ १०॥

इति श्रीगोकुलचन्द्रकृतं गोवर्धनधराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Vani V.

Govardhanadhara Ashtakam

pdf was typeset on July 23, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*